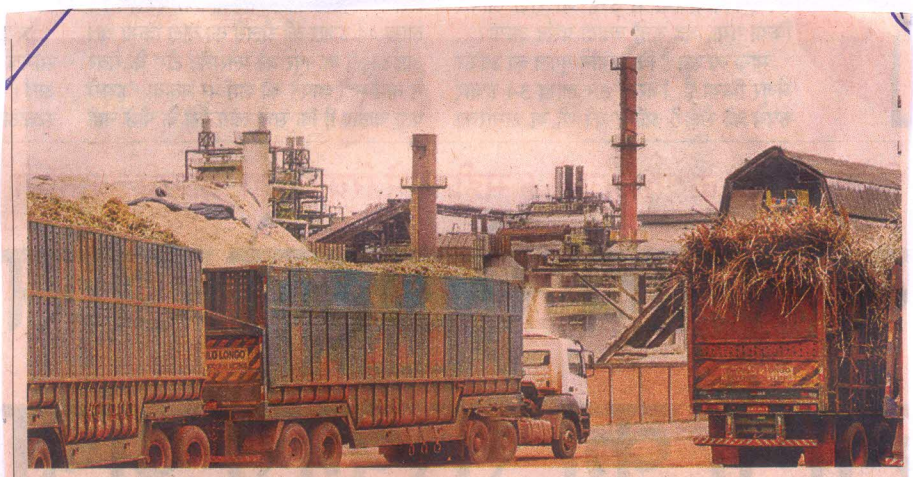

शुगर प्रॉडक्शन में महीने भर की देरी

गन्ने की कीमत पर यूपी और महाराष्ट्र में विवाद खत्म

[जयश्री भोसले | पुणे]

एक महीने की देरी के बाद देशभर में नई चीनी का प्रॉडक्शन शुरू होने जा रहा है। उत्तर प्रदेश में मिलों ने राज्य सरकार की ओर से तय की गई गन्ने की कीमत को स्वीकार करते हुए महाराष्ट्र और कर्नाटक की मिलों की तरह गन्ना पेराई शुरू करने का फैसला किया है।

पुरानी चीनी का रंग पीला, जबकि नई चीनी का सफेद होता है। नई चीनी को बाजार में ज्यादा कीमत मिलती है। ज्यादा मिलों के कामकाज शुरू करने के साथ ही नई चीनी का दाम भी गिरने लगा है। बॉम्बे शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अशोक जैन ने बताया, 'नई चीनी की कीमत एक सप्ताह पहले 30.50 रुपये प्रति किलोग्राम थी। यह अब 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम कम हो गई है क्योंकि अधिक मिलों ने नई चीनी का प्रॉडक्शन शुरू कर दिया है।'

चीनी का प्रॉडक्शन शुरू होने से ट्रेड हाउसेज और एक्सपोर्टर्स को भी मदद मिलेगी, जिन्होंने दिसंबर के बाद से कच्ची चीनी के एक्सपोर्ट के लिए कॉन्ट्रैक्ट किए हैं।

स्वाभिमानी शेतकारी संगठन (एसएसएस) के एक महीना पुराना आंदोलन बंद करने के बाद महाराष्ट्र में कोल्हापुर-सांगली क्षेत्र की चीनी मिलों ने भी पेराई का काम शुरू कर दिया है।

कोल्हापुर और सांगली की कुछ मिलों ने 2 चरणों में गन्ने के 2,650 से 2,700 रुपये प्रति टन के पहले अग्रिम भुगतान की घोषणा की है। एसएसएस ने आंदोलन वापस लेने के लिए इस फॉर्मूला का स्वीकार किया था। रघुनाथ पाटिल की अगुवाई वाले शेतकारी संगठन जैसे कुछ किसान संगठनों ने इस कीमत को स्वीकार नहीं किया है। राज्य के बाकी हिस्सों में मिलों ने गन्ने के लिए अभी तक किसी कीमत की घोषणा नहीं की है।

पुणे के निकट इंदापुर में श्री छत्रपति एसएसके के मैनेजिंग डायरेक्टर एस एम तवारे ने बताया, 'हम शुगर इंडस्ट्री के लिए केंद्र सरकार के फैसले का इंतजार कर रहे हैं।' उत्तर प्रदेश में राज्य सरकार की ओर से तय गन्ने की कीमत के विरोध में ऑपरेशन शुरू न करने वाली मिलों ने भी अब पेराई शुरू करने का फैसला किया है।

एक्सपोर्टर्स को मदद

- **देशभर में** चीनी का प्रॉडक्शन शुरू होने से ट्रेड हाउसेज और एक्सपोर्टर्स को भी काफी मदद मिलेगी, जिन्होंने दिसंबर के बाद से कच्ची चीनी के एक्सपोर्ट के लिए कॉन्ट्रैक्ट किए हैं
- **उत्तर प्रदेश में** मिलों ने राज्य सरकार की ओर से तय की गई गन्ने की कीमत को स्वीकार करते हुए महाराष्ट्र और कर्नाटक की मिलों की तरह गन्ना पेराई शुरू करने का फैसला किया है

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने कहा है, 'गन्ने की मौजूदा प्राइसिंग पर ऑपरेशंस फायदेमंद न होने के बावजूद उत्तर प्रदेश की शुगर इंडस्ट्री ने मुख्यमंत्री की कोशिश और किसानों के हित को देखते हुए 2013-14 सीजन के लिए पेराई शुरू करने की घोषणा की है।'

राज्य सरकार ने इंडस्ट्री को गन्ने की पेमेंट 2 चरणों में करने की अनुमति दी है। पहले चरण में 260 रुपये प्रति क्विंटल और दूसरे चरण में 20 रुपये प्रति क्विंटल का भुगतान किया जाएगा। राज्य सरकार ने एंट्री टैक्स, परचेज टैक्स और सोसाइटी कमीशन हटाकर इंडस्ट्री को 11 रुपये प्रति क्विंटल की राहत भी दी है।

कर्नाटक में पेराई का काम पहले ही शुरू हो गया है। हालांकि, राज्य में अभी गन्ने के दाम को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। राज्य सरकार ने विधानसभा के सामने एक किसान के आत्महत्या करने के बाद 2,650 रुपये प्रति टन की कीमत की घोषणा की है। लेकिन चीनी मिलों ने अभी इस कीमत को स्वीकार नहीं किया है। इस मसले पर सरकार से चर्चा जारी है।

Economic Times
3/12/13